13.	महाराष्ट्र	33
14.	मणिपुर	5
15.	मेघालय	5
16.	मिजोरम	5
17.	नागालैंड	5
18.	उड़ीसा	19
19.	पंजाब	11
20.	राजस्थान	23
21.	सिक्किम	5
22.	तमिलनाडु	25
23.	त्रिपुरा	5
24.	उत्तर प्रदेश	79
25.	पश्चिम बंगाल	34

संघ शसित क्षेत्र

1.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	3
2.	चंडीगढ़	3
3.	दादरा एवं नगरहवेली	3
4.	दमन एवं दीव	3
5.	दिल्ली	3
6.	लक्षद्वीप	3
7.	पांडिचेरी	3

योग : 500

मध्य प्रेदश में बेतवा नदी का प्रदूषण

228. **श्री राघवजी:** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1996 में मध्य प्रदेश की बेतवा नदी कितनी बार व्यापक रूप से प्रदूषित हुई है तथा प्रत्येक बार पता लगाए गए प्रदूषण के संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि प्रदूषण की जांच करने के लिए एक अध्ययन दल गठित किया गया था, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है तथा इसके सदस्यों के नाम क्या-क्या है, उसने अपनी रिपोर्ट कब प्रस्तुत की तथा इसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या अक्टूबर माह में भी प्रदूषण के स्तर की जांच की गई थी, यदि हां, तो उसका क्या परिणाम निकला; और

(घ) इस नदी को बार-बार प्रदूषित होने से बचाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जयनारायण प्रसाद निषाद): (क) वर्ष 1996 के दौरान मध्य प्रदेश में बेतवा नदी दो बार प्रदूषित पाई गई थी। पहली बार जुलाई, 96 और दूसरी बार अक्टूबर, 96 में। पहले मौके पर नदी जल की जैव रसायन आक्सीजन मांग, जो कि इसके प्रदूषण का सूचक है, 3 मिग्रा० / प्रति लीटर की जगह 7.0 से 10 मिग्रा० / प्रतिलीटर के बीच पायी गयी थी। दूसरे मौके पर प्रदूषण प्रवाल पुष्पों (एल्गल ब्लूम) की प्रवृत्ति के कारण हुआ था।

(ख) बेतवा नदी में प्रदूषण के कारणों का अध्ययन करने के लिए मध्य प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों की एक समिति बनाई गई थी। इस समिति में शामिल अधिकारियों की सूची संलग्न विवरण-I में दी गई है (नीचे देखिए)। समिति ने राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट दिनांक 4.11.96 को प्रस्तुत की। समिति की सिफारिशें संलग्न विवरण-II में दी गई हैं।

(ग) अक्टूबर के महीने में प्रदूषण के स्तर की जांच की गई थी। शैवाल फूलों (एल्गल ब्लूम) की प्रवृत्ति को छोड़कर नदी जल गुणवत्ता सामान्य पाई गई जो आई०एस० 2296—1982 के वर्ग 'ग' / 'घ' को पूरा करता है।

(घ) नदी जल को प्रायः प्रदूषित होने से रोकने के लिए किए गए उपाय संलग्न विवरण-III में दिए गए हैं।

विवरण-I

समिति के सदस्य

1. डॉ० पी० सी० सेठ, मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल।
2. श्री डी० एल० नायक, अधीक्षण अभियंता, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल।
3. श्री ए० पी० श्रीवास्तव, क्षेत्रीय अधिकारी, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल।
4. डॉ० बंसल अप्पल, मुख्य केमिस्ट, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल।
5. श्री आर० एस० कोरी, क्षेत्रीय अधिकारी, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल।

विवरण-II

समिति की सिफारिशें

1. अल्प अवधि के उपायों के अन्तर्गत ठोस उपशेष प्रबंध में सुधार, बहिःस्राव का उपचार तथा बेतवा नदी के कैचमेंट क्षेत्र में विभिन्न उद्योगों के नदी में गिरने वाले उपचारित बहिःस्राव के सुरक्षित निपटान की सिफारिशें की गई थीं। बेतवा नदी में अनधिकृत रूप से मछलियों को मारने पर भी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। मछलियों को मारने के लिए पीड़कनाशियों, विस्फोटकों, विदयुत धारा/विषाक्त रसायनों के प्रयोग को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

2. दीर्घ अवधि उपायों के अन्तर्गत बेतवा नदी के स्वच्छता कार्यक्रम के शीघ्र कार्यान्वयन का सुझाव दिया गया। केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में इस स्वच्छता कार्यक्रम का अनुमोदन किया गया है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट राज्य सरकार द्वारा तैयार की जा रही है।

विवरण-III

मध्य प्रदेश में बेतवा नदी में प्रदूषण रोकने के लिए किए गए उपाय

(i) नदी क्षेत्र की नियमित निगरानी की जा रही है और इसके साथ ही मण्डीदीप औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सेहतगंज की सोम डिस्टिलरीज तथा चिक्लोड रोड में स्थित सोम ब्रेवरीज जैसे प्रदूषणकारी उद्योगों पर नजर रखी जा रही है।

(ii) बेतवा नदी को भोपाल, मण्डीदीप और विदिशा में राष्ट्रीय नदी कार्य योजना के अन्तर्गत शामिल किया गया है। योजना का कार्यान्वयन होने के बाद नदी में निस्तारित होने वाले स्लज और सीवेज को नियंत्रित किया जा सकेगा।

Status of Ganga Action Plan

229. PROF. RAM KAPSE: Will the Minister of ENVIRONMENT & FORESTS be pleased to state:

(a) the present status of Ganga Action Plan; and

(b) the time by which the plan is expected to be completed and the target dates orginally fixed for completion of the work?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (CAPT. JAI NARAIN PRASAD NISHAD): (a) Of the 261 schemes of various categories such as interception, diversion and treatment of Municipal waste water, crematoria, river front development, low cost sanitation etc. taken up in 25 class I towns under Ganga Action Plan Phase I, 248 schemes have since been completed. The remaining schemes are in their final stage of completion.

(b) The Ganga Action Plan Phase I was planned to be completed within a period of 6-7 years commencing from 1985. However, on account of problems such as encroachments, delay in land acquisition, litigation, contractual problems and change in the scope of work in certain scheme, the implementation of programme got delayed. The programme is now scheduled to be completed by March 31, 1997.

Drinking water in Sleeper Class Coaches

230. SHRI ASHOK MITRA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a newspaper report that an advocate representing the Indian Railways at the court in Qutab Institutional Area maintained that it was not the responsibility of the Railways to provide drinking water in each second class sleeper coach and further that water is provided to passengers travelling in first class and in the air conditioned coaches only;

(b) whether the statement of the advocate is related with official policy and is in consonance with the country's democratic tradition; and

(c) the measures proposed to be undertaken to ensure free and safe drinking